मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक
अगस्त - 2019
वर्ष 7, अंक 11, पृ.सं. 20

पहली बारिश का आनन्द लेते वृद्धाश्रम वासी

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. मार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर	02
अनुक्रमणिका	03
लोनी (गाजियाबाद) में एक और तारा नेत्रालय	04-06
मौसम की पहली बारिश का आनन्द लेते आनन्द वृद्धाश्रम वासी	07
आनन्द वृद्धाश्रम नए आवासी	08
तारा नेत्रालय	09
गौरी योजना / तृप्ति योजना	10
गुरु पूर्णिमा / मस्ती की पाठशाला	11
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर - नवीन सत्र 2019-20	12
हमारे भामाशाह	13
न्यूज ब्रीफ	14
त्योहार विशेष : रक्षाबंधन का त्योहार	15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

लोनी (गाजियाबाद) में एक और तारा नेत्रालय

श्रद्धेय पंडित मुंशीलाल जी एवं श्रीमती द्रोपदी देवी की पावन स्मृति में तारा नेत्रालय, लोनी (अन्तर्गतः तारा संस्थान, उदयपुर, राज.) का उद्घाटन समारोह दिनांक 28 जुलाई, 2019 को प्रातः 10:30 बजे से संपन्न हुआ। इस समारोह के उद्घाटनकर्ताः डॉ. जे.पी. शर्मा सा. (शिक्षाविद् एवं अध्यक्ष श्री मोक्ष धाम मंदिर, लोनी), श्रीमती पुष्पा – श्री एन.पी. भार्गव (मुख्य संरक्षक – तारा संस्थान, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली), श्री राकेश मिश्रा (पीएस, श्री अमित शाह गृहमंत्री, भारत सरकार), श्रीमती सुमन सिंह (डायरेक्टर, टी.आर.आई. नुट्रिएंट्स प्रा.लि., दिल्ली), श्रीमती नीरू – श्री प्रदीप कुमार शर्मा (समाजसेवी, दिल्ली), श्री सत्यभूषण जैन (संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली), श्री मोहन सिंह भाटिया (प्रधान, भाटिया सेवक समाज, फरीदाबाद), श्री राजेंद्र कुमार जैन (समाजसेवी, दिल्ली) तथा श्रीमती प्रफुल्ला बेन कामदार (समाजसेवी, मुम्बई) उपस्थित थे तथा शुभ आशीर्वाद : श्रीमान् जनरल (रिटायर्ड) वी.के. सिंह सा. (सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री, भारत सरकार), डॉ. कैलाश मानव–श्रीमती कमला देवी अग्रवाल (संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान–ट्रस्ट, उदयपुर), श्रीमती मीनाक्षी – डॉ. कुलीन कोठारी (प्रख्यात नेत्र चिकित्सक, मुम्बई), श्रीमती दीपा – ओमप्रकाश मल्होत्रा (समाजसेवी, फरीदाबाद), श्री अनिल गुप्ता (ISKON) (संरक्षक उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली), श्रीमती कुमकुम – श्री एस.आर. चाण्डक (सचिव, बागरिया एजुकेशन ट्रस्ट एवं समाजसेवी, बैंगलोर), श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा (संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली), श्रीमती प्रेम निझावन (समाजसेवी, दिल्ली) ने प्रदान किया। उद्घाटन समारोह स्थल : 78–79, शिव विहार, चिरोदी रोड, श्री मोक्ष धाम मंदिर रोड, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) की एक झलक :

उद्घाटन करते (बाएँ से) डॉ. जे.पी. शर्मा, श्रीमती पुष्पा – श्री एन.पी. भार्गव सा. एवं अन्य अतिथिगण

सफलता एक विज्ञान है, यदि परिस्थितियाँ हैं तो परिणाम मिलेगा।

उद्घाटन समारोह की कुछ झलकियाँ :

(ऊपर बाएं से) श्री सत्यभूषण जैन (संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली), डॉ. जे.पी. शर्मा सा. (शिक्षाविद् एवं अध्यक्ष श्री मोक्ष धाम मंदिर, लोनी), श्री राकेश मिश्रा (पीएस, श्री अमित शाह गृहमंत्री, भारत सरकार) एवं श्री एन.पी. भार्गव सा. (मुख्य संरक्षक - तारा संस्थान, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली) फीता काटते हुए

श्री राजेन्द्र कुमार जैन
(समाज सेवी, दिल्ली)

श्रीमती सुमन सिंह (डायरेक्टर, टी.आर.आई. नुट्रिएंट्स प्रा.लि., दिल्ली) एवं श्री अजय सिंह का अभिनन्दन

- शेष अगले पृष्ठ पर

– पिछले पृष्ठ से जारी

(बीच में) श्रीमती नीरू – श्री प्रदीप कुमार शर्मा (समाज सेवी, दिल्ली) एवं समस्त परिवार

(दाएँ) श्री मोहन सिंह भाटिया
(प्रधान, भाटिया सेवक समाज, फरीदाबाद)

समारोह में उपस्थित अन्य अतिथिगण

मौसम की पहली बारिश का आनन्द लेते आनन्द वृद्धाश्रम वासी

बारिश में भीगने का शौक है, तो सेहत के ये टिप्स आपके लिए है :

बारिश का मौसम, हरियाली और रिमझिम फुहारों के बीच किसका दिल नहीं करेगा भीगने का? हर कोई बारिश की इन बूंदों से तरबतर न सही तो कम से कम दो–चार होना तो चाहता ही है। आप भी शौकीन हैं बारिश में भीगने के, तो स्वास्थ्य का भी जरा ध्यान रखें और भीगने के बाद जरूर अपनाएं यह टिप्स –

अगर भीग ही रहे हैं तो कोशिश कीजिए कि आपके बाल ज्यादा न भीगें। क्योंकि यही बीमार होने और सर्दी लग जाने की एक बड़ी वजह होती है। इसके लिए हेयर मास्क या पॉलिथिन का सहारा लिया जा सकता है, ताकि भीगने का लुत्फ भी मिल जाए और बाल भी न भीगें।

भीगने के बाद घर में आते ही जल्दी से जल्दी कपड़े बदलकर अपने शरीर को पोंछे और सूखे कपड़े पहनकर शरीर को आग के सामने ले जाएं ताकि शरीर को तपन मिल जाए और सर्दी न बैठने पाए।

अगर गलती से भी बाल भीग गए हैं, तो इन्हें सुखाने में देरी न करें। तौलिये और हेयर ड्रायर की मदद से बालों को अच्छी तरह सुखा लें। इससे बाल खराब होने से बचेंगे और सर्दी भी नहीं लगेगी।

गर्मागर्म हल्दी वाला दूध या अदरक वाली चाय अथवा कॉफी पीजिए जिससे शरीर को गर्माहट मिले। बुखार, सर्दी से बचने के लिए शरीर को अंदरूनी गर्माहट देना बेहद आवश्यक है।

आप चाहें तो गर्मागर्म वेजिटेबल या अपना पसंदीदा सूप बनाकर पी सकते हैं। यह प्रतिरोधकता भी बढ़ाएगा और शरीर में गर्मी भी पैदा करेगा। यह बेहतरीन और स्वादिष्ट विकल्प है।

आप लोग सदा सुखी रहें एवं आनन्द वृद्धाश्रम खूब फले फूले : श्री बद्रीप्रसाद अग्रवाल

84 वर्षीय बद्रीप्रसाद जी पूरे खानदान में अकेले है, भाई – बहन नहीं हैं। पत्नी की 25 वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी, एकमात्र पुत्र भी 15 की आयु में ही चल बसा। बद्रीप्रसाद जी माइनिंग इंजीनियर थे। कहते है पत्नी थी तब तक जीवन में बहुत आनन्द था, बहुत सी मीठी यादें हैं जिनके सहारे ही जी रहा हूँ। रिटायरमेंट के बाद घर में अकेले ही रहते व स्वयं हाथ से खाना बनाकर खाते थे। भाग्यवश कभी सीरियस बीमार नहीं पड़े। फिर उनके एक मित्र ने तारा संस्थान की पत्रिका 'तारांशु' उन्हें दी। उस पत्रिका में आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में पढ़कर जिज्ञासा हुई कि क्यों न चलकर देखा जाए। लेकिन यहाँ आकर देखा तो लगा ही नहीं कि यह कोई वृद्धाश्रम है बल्कि एक घर सा माहौल देखकर यहीं रह लिए। यहाँ सब भाई–बहन की तरह रहते हैं एवं सब व्यवस्थाएँ अति उत्तम हैं। श्री बद्रीप्रसाद जी तारा संस्थान के दानदाताओं को कहते हैं कि वे लोग दान नहीं दे रहें बल्कि एक निवेश कर रह हैं जिसका रिटर्न उन्हें अगले जन्म में सूद सहित मिलेगा। आप लोग सदा सुखी रहें एवं आनन्द वृद्धाश्रम खूब फले फूले।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष	06 माह	01 माह	
60000 रु.	30000 रु.	5000 रु.	

Demographic time bomb:
Young India ageing much faster than expected

Govt recently stated in Parliament that India will have 34 crore people above 60 years of age by 2050 that would be more than the total population of the US.

As India moves closer to become the most populous country in the next 7 years, the country is facing another serious concern about ageingpopulation. According to some studies, India is ageing much faster than previously thought and may have nearly 20 per cent population of 60 years and above by 2050.

The government recently stated in Parliament that India will have 34 crore people above 60 years of age by 2050 that would be more than the total population of the US. The numbers are even higher than projected by other international agencies like UN and HelpAge. The agencies had projected the 60-plus population in India to rise to nearly 32 crore by 2050.

केस 1 : भूरी बाई

भूरी बाई : बड़गाँव, उदयपुर निवासी लगभग 60 वर्षीया भूरी बाई को बाई आँख में कुछ अर्से से धुंधला दिखाई दे रहा था परन्तु उन्हें कोई समझ नहीं थी कि क्या किया जाए। फिर एक परिचित (जिसने तारा नेत्रालय में सफल ऑपरेशन करवया था), ने उन्हें तारा नेत्रालय की जानकारी दी तो भूरी बाई के पति उन्हें यहाँ दिखाने ले आए। तारा नेत्रालय में जाँच के पश्चात् मोतियाबिन्द पाया गया जिसका ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। तो भूरी बाई को भर्ती करके ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन पश्चात भूरी बाई कहती है कि उनको अब अच्छा दिखाई दे रहा है। उनके छोटी–मोटी खेती बड़ी करने वाले पति ने भी तारा को धन्यवाद दिया जिन्होंने बिना किसी शुल्क के ऑपरेशन दवाइयाँ व वार्ड वगैरह की सारी सुविधाएँ दी। भूरी बाई दानदाताओं को आभार जताते हुए कहती है कि भगवान आपका भला करें जो आप ऐसी सेवा का कार्य कर रहे हैं।

केस 2 : बक्तू बाई

बक्तु बाई : डबोक (उदयपुर) वासी लगभग 55 वर्षीया बक्तु बाई को दाई आँख में काफी समय से समस्या आ रही थी फिर पिछले दिनों इतना धुंधला दिखने लगा कि जैसे अंधी हो गई हों। किसी ने कहा अस्पताल दिखाओ पर डर लगता था कि क्या होगा। लेकिन एक परिचित ने काफी प्रोत्साहित कर उनका डर मिटाया और उन्हें तारा नेत्रालय, उदयपुर भेजा। यहाँ आकर ऑपरेशन भी हो गया, अच्छा दिखने भी लगा और सारा डर मिट गया। कुछ देर कर दी होती तो पके हुए मोतियाबिन्द के कारण आँख ही चली जाती। बक्तु बाई कहती हैं कि कोई पैसा भी नहीं लगा और आँख ठीक हो गई। वह तारा संस्थान के दानियों हेतु भगवान से प्रार्थना करेगी तथा डॉक्टरों की भी शुक्रगुजार है कि ऑपरेशन अच्छे से कर दिया।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

गौरी योजना :

मेरी स्थिति समझ कर जो मदद की है उसे हेतु बहुत-बहुत धन्यवाद। : श्रीमती लीला सालवी

27 वर्षीया लीला सालवी के पति 2 साल की बीमारी से जुझकर कुछ महीनों चल बसे। 2 साल तक प्रति की कमाई न होने से लीला अपने पीहर और सास–ससुर से मांग–मांग कर घर का काम चलाती थी। सोचती थी कि पति स्वस्थ होकर सब सम्भाल लेगें लेकिन उनकी मृत्यु के बाद लीला की सारी आशाएँ ध्वस्त हो गई। छोटी–छोटी आवश्यकताओं के लिए वह माँ–बाप और ससुराल वालों पर पूरी तरह निर्भर हो गई। बहुत बुरा लगता पर क्या करें? दो छोटी–छोटी बच्चियों को पढ़ा लिखा कर आत्म निर्भर बनाना ही लीला का लक्ष्य है। लीला स्वयं तो कोई काम जानती नहीं सो आखिरकार करें तो क्या करें। काश पति जीवित होते तो किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता परन्तु मजबूरी है। तारा संस्थान ने लीला की परिस्थिति पहचान कर उसे गौरी योजना के तहत 1000 रु. मासिक देना प्रारम्भ किया है जिससे लीला अपने 2 बच्चियों की पढाई हेतु काम में लेती है। लीला सालवी तारा संस्थान के दानदाताओं की आभारी है कहती है कि आपने मेरी स्थिति समझ कर जो मदद की है उसे हेतु बहुत–बहुत धन्यवाद।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

भगवान आपको हमेशा खुश रखें : श्रीमती लक्ष्मी बाई

श्रीमती लक्ष्मी बाई की उम्र 80 वर्ष से ऊपर है एवं परिवार से नितांत अकेली है। पति 20 वर्ष पहले व बच्चा तो जन्म के समय ही मृत्यु को प्राप्त हो गए। पहले तो मजदूरी करके दो पैसे कमा लेती थी लेकिन अब उम्र साथ नहीं देती। अपने भाई के घर अकेले रहती है अपना काम काज व रोटी स्वयं बना लेती है भाई–भतीजा कभी–कभार मिलने चले आते है। परन्तु राहत तो तारा संस्थान से मिल रही है – मासिक राशन व 300 रु. नकद जो कि बहुत बड़ा सहारा है। लक्ष्मी बाई दानदाताओं की दीर्घायु की कामना करते हुए कहती है कि भगवान उन्हें हमेशा खुश रखें।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

गुरु पूर्णिमा (दि. 16 जुलाई, 2019) के पुण्य अवसर पर आदरणीय (डॉ.) श्री कैलाश 'मानव' से आशीर्वाद लेते तारा परिवार के सदस्यगण

गुरु पूर्णिमा की महिमा : आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु–सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु–चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है–अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है–उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन–शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है:

"अज्ञान तिमिरांधश्च ज्ञानांजन शलाकया,चक्षुन्मीलितम तस्मै श्री गुरुवै नमः "

गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

गुरु पूर्णिमा के दिन मस्ती की पाठशाला की एक बच्ची अपनी शिक्षिका का अभिनन्दन करते हुए

इस विशेष सायंकालीन स्कूल का उद्देश्य उदयपुर के पास झुग्गी–झोंपड़ी के सड़कों पर कचरा बीनने वाले बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य प्रदान करना है। इस कार्यक्रम द्वारा इन बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा के साथ ही स्वच्छता की भावना को भी बढ़ावा देना है और नृत्य और खेल आदि के साथ बच्चों को नाश्ता व दैनिक कुछ नकदी दी जाती है ताकि उन्हें अपने माता–पिता के लिए कचरा बीनने की जरूरत नहीं पड़े। 1 जुलाई, 2016 संचालित स्कूल में नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेने वालों की संख्या 50 तक हो गयी है। बच्चों के माता पिता भी इस पहल से बहुत खुश हैं और बच्चों को इस तरह का अवसर प्रदान करने के लिए तारा संस्थान की प्रशंसा कर रहे हैं। वे कहते हैं कि बच्चों की घर पर भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता उच्च स्तर की हो गयी है और वे अब बहुत अच्छी तरह से व्यवहार करते हैं। शिक्षकों के अनुसार, कच्ची बस्ती में रहने वाले अनेक बच्चों में बहुत सारी छिपी हुई प्रतिभा है जो इन्हें बेहतर नागरिक बना सकती हैं बशर्ते इनके विकास हेतु सही मंच दिया जाए। और तारा संस्थान ने निश्चित रूप से उन्हें यह अति आवश्यक मंच प्रदान किया है। यह कार्यक्रम, सोमवार से शनिवार को जुलाई 2016 से सायं 4 बजे से 6 बजे के बीच चल रहा है। तारा संस्थान इस कार्यक्रम पर 1000/– रुपये प्रति छात्र प्रति माह खर्च करता है। सभी सहृदय दानदाताओं से निवेदन है कि इस नेक काम के लिए उदारता से योगदान करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : फोनः +91 95493 99993

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल (अंतर्गत-तारा संस्थान, उदयपुर)

सत्र् के पहले दिन स्कूल जाते उत्साहित नन्हें-मुन्हें

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल तारा संस्थान, उदयपुर के तत्त्वावधान में चलाया जाता है। यह स्कूल संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री एन.पी. भार्गव सा. के (स्व.) सुपुत्र श्री शिखर भार्गव की स्मृति में 1 जुलाई, 2014 से प्रारम्भ किया गया। इस छोटे से किन्तु सुंदर स्कूल उन छात्रों, जो कि संसाधनों की कमी के कारण उचित शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं, को समुचित शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। यहाँ विशेषकर कम आयु में विधवा हो चुकी महिलाओं के बच्चों एवं अनाथ बालक बालिकाओं को पूर्णःतया निःशुल्क शिक्षा तथा शिक्षा–सामग्री प्रदान की जाती है, जिसमें फीस, किताबें, स्टेशनरी, बैग और परिवहन सुविधा भी शामिल है तथा गरीब बच्चों को फीस में विशेष छूट दी जाती है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल की शैक्षणिक विशेषताएँः

- कक्षा प्री-नर्सरी से आठवीं तक पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम।
- पूर्णतः प्रशिक्षित और अनुभवी स्टाफ।
- कमजोर छात्रों के लिए विशेष मार्गदर्शन।
- पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्ले-वे विधि।
- घरेलू माहोल में समग्र विकास कार्यक्रम।
- सभी कक्षाओं के लिए शैक्षिक खेल के साथ अध्यापन।
- मुफ्त कंप्यूटर शिक्षा।
- प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति।
- व्यापक सह-पाठयक्रम कार्यक्रम
- समुचित-संग्रहित पुस्तकालय
- आई.टी. और कम्प्यूटर कक्ष
- खेल का मैदान
- अलग-अलग उपकरणों के साथ संगीत कक्ष
- शतरंज, कैरम आदि इंडोर खेलों की व्यवस्था
- बगीचा क्षेत्र
- चिकित्सा कक्ष
- आर.ओ. तथा शीतल जल प्लांट
- नियमित स्वास्थ्य चेक-अप
- सुसज्जित गतिविधि कक्ष

खूबसूरत लोग हमेशा अच्छे नहीं होते। अच्छे लोग हमेशा खुबसूरत होते हैं।

हमारे भामाशाह :

श्रीमती प्रफुल्ला बेन कामदार - श्री रोहित भाई कामदार, सायन - मुम्बई

''वीर आवो अमारी साथे'' सायन (मुम्बई मण्डल की अध्यक्षा, श्रीमती प्रफुल्ला बेन कामदार पिछले 17 वर्षों से विभिन्न समाज सेवा कार्यों में सक्रिय है। आपने सारे देश, उत्तर से दक्षिण तक गाँव–गाँव में नेत्र शिविर लगवाये, तारा संस्थान से आप 2012 से जुड़ी हुई है। संस्थान में आपका समय–समय पर दान सहयोग मिलता है और आपके पति श्री रोहित भाई कामदार 28 जुलाई, 2019 को लोनी (गाजियाबाद) के तारा नेत्रालय के उद्घाटन में पधारे और निवेदन पर एक मशीन व ऑपरेशन के लिए राशि भेंट की।

हमारी दर्शनी देवी जैन माताजी, दिल्ली

आप तारा संस्थान के संरक्षक व प्रमुख समाजसेवी श्री सत्यभूषण जी जैन सा. की सासुजी है। आपके सुपुत्रों का व सत्यभूषण जी जैन सा. के दिल्ली में कागज का व्यापार है। दिल्ली में जैन समाज के सभी सेवा कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से आपकी इस उम्र में भी सहभागिता है। आपने सबसे पहले दिल्ली में जब संस्थान का हॉस्पीटल प्रांरभ हुआ तब दिल्ली कें विभिन्न क्षेत्रों में शिविर लगवाकर सैकड़ों आँखों की समस्या से पीडित रोगियों को लाभान्वित किया गया है साथ ही दिल्ली में लगने वाले शिविरो में डॉक्टर्स की टीम के जाने के लिए एवं मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों के आवागमन के लिए एक इको गाड़ी जो कि अपने स्व. पति लाला बीरसेन कागजी (जैन) की स्मृति में भेट की है। आज भी दिल्ली के सभी शिविरों में आपके सौजन्य से प्रदान इको गाड़ी की सेवाएँ ली जा रही हैं। साथ ही आप द्वारा प्रतिमाह 18 तृप्ति योजना के लाभार्थियों के लिए सहयोग संस्थान को प्राप्त हो रहा है। आपका आशीर्वाद व मार्गदर्शन संस्थान को मिलता रहे एवं आप दीर्घायु होवे इसी मनोकामना के साथ.... धन्यवाद, आभार।

हार्दिक श्रद्धांजलि : स्व. श्री स्वरुप चन्द जी गोयल, निवासी : मुम्बई (महा.)

मुंबई के जाने–माने समाजसेवी और 'जनता की पुकार' के अध्यक्ष स्वरूप चंद गोयल का मुंबई में निधन हो गया। वे 91 वर्ष के थे। 8 जुलाई, 2019 की सुबह 9.30 बजे उन्होंने अपने घर पर अंतिम सांस ली।

मुंबई की प्रतिष्ठित साहित्यिक जनता की पुकार के संस्थापक अध्यक्ष गोयल अंतिम सांस तक सामाजिक जीवन को समर्पित रहे। आगरा में जन्मे गोयल बचपन में ही मुंबई आ गए थे और श्री गोयल कई सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाओं के संचालन के साथ वनवासी कल्याण परिषद के लिए मुख्य रूप से कार्य कर रहे थे। अग्रोहा विकास ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद, आदर्श रामलीला समिति, एकल अभियान, अशोक सिंघल रुग्ण सेवा सदन, श्रीहरि सत्संग समिति आदि संस्थाओं के विकास में भी उनका अहम योगदान रहा।

तारा संस्थान के दानदाता श्री स्वरूप चन्द गोयल के शोक संतृप्त परिवार को अपनी संवेदनाएँ प्रेषित कर दिवगंत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करता है।

CHARITY IS A SUPREME VIRTUE & A GREAT CHANNEL THROUGH WHICH THE MERCY OF GOD IS PASSED ONTO MANKIND.

-CONRAD HILTON

न्यूज ब्रीफ :

08.07.2019

08 जुलाई, 2019 श्री राजेन्द्र जी पुत्र श्री प्रीतमसिंह जी भाटिया, फरीदाबाद ने अपना पूरा दिन ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में भोजन प्रसाद करवाकर बिताया ।

08.07.2019

ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में सत्संग व भजन कीर्तन

14.07.2019

तारा संस्थान द्वारा 14 जुलाई, 2019 को अलवर (राज.) में आयोजित भामाशाह स्नेह मिलन की कुछ झलकियाँ।

19.07.2019

दिल्ली के उद्योगपति, समाजसेवी एवं तारा संस्थान, उदयपुर के संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन सा. के जन्मदिवस पर तारा परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन।

25.07.2019

ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम फरीदाबाद में भजन कीर्तन तथा सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन। सौजन्यकर्त्ता श्रीमती शिवानी खत्री।

रक्षाबंधन का त्योहार

हम उनसे लड़ लें, चाहे कितना ही झगड़ लें, लेकिन अंत में जितना प्यार हम उनसे करते हैं उसके सामने दुनिया की कोई भी मूल्यवान वस्तु बेकार है.... यही कहता है हर एक बहन का दिल अपने भाई के लिए। बचपन से बड़े होने तक और बाद में बहन की शादी के बाद अलग हो जाने पर भी बहन–भाई का प्यार कम नहीं होता। एक बहन का प्यार ऐसा है कि चाहे उसका भाई उसकी कोई बात ना माने, फिर भी वह आखिरी श्वास तक चाहेगी कि उसका भाई हमेशा खुश रहे।

भाई–बहन का प्यार : रक्षाबंधन का त्योहार भाई–बहन के अटूट प्यार की निशानी है, जिसे वर्षों से मनाया जा रहा है। भाई–बहन के विश्वास को बनाए रखने वाला यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। लेकिन इसे क्यों मनाते हैं इसके पीछे कई कहानियां प्रचलित हैं।

पौराणिक काल से जुड़ी कहानी : हमारे इतिहास में ऐसी कई कहानियां दर्ज हैं जो रक्षाबंधन के त्योहार की महत्ता दर्शाती हैं। यह कहानियां पौराणिक काल से जुड़ी हैं।

भगवान विष्णु व राजा बलि : सबसे पहली कहानी भगवान विष्णु से संबंधित है, जिसके अनुसार राजा बालि ने जब 110 यज्ञ पूर्ण कर लिए तब देवताओं का डर बढ़ गया। उन्हें यह भय सताने लगा कि यज्ञों की शक्ति से राजा बलि स्वर्ग लोक पर भी कब्ज़ा कर लेंगे, इसलिए सभी देव भगवान विष्णु के पास स्वर्ग लोक की रक्षा की फरियाद लेकर पहुंचे।

जिसके बाद विष्णुजी ब्राह्मण वेष धारण कर राजा बलि के समझ प्रकट हुए और उनसे भिक्षा मांगी। भिक्षा में राजा ने उन्हें तीन पग भूमि देने का वादा किया। लेकिन तभी बलि के गुरु शुक्रदेव ने ब्राह्मण रूप धारण किए हुए विष्णु को पहचान लिया और बलि को इस बारे में सावधान कर दिया किंतु राजा अपने वचन से न फिरे और तीन पग भूमि दान कर दी।

इस दौरान विष्णुजी ने वामन रूप में एक पग में स्वर्ग में और दूसरे पग में पृथ्वी को नाप लिया। अब बारी थी तीसरे पग की, लेकिन उसे वे कहां रखें? वामन का तीसरा पग आगे बढ़ता हुआ देख राजा परेशान हो गए, वे समझ नहीं पा रहे थे कि अब क्या करें और तभी उन्होंने आगे बढ़कर अपना सिर वामन देव के चरणों में रखा और कहा कि तीसरा पग आप यहां रख दें।

इस तरह से राजा से स्वर्ग एवं पृथ्वी में रहने का अधिकार छीन लिया गया और वे रसातल लोक में रहने के लिए विवश हो गए। कहते हैं कि जब बलि रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात–दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया और भगवान विष्णु को उनका द्वारपाल बनना पड़ा। इस वजह से मां लक्ष्मी, जो कि विष्णुजी की अर्धांगिनी थी वे परेशान हो गईं।

भगवान के रसातल निवास से परेशान लक्ष्मी जी ने सोचा कि यदि स्वामी रसातल में द्वारपाल बन कर निवास करेंगे तो बैकुंठ लोक का क्या होगा? इस समस्या के समाधान के लिए लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय सुझाया। लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे राखी बांधकर अपना भाई बनाया और उपहार स्वरूप अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आईं।

उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी, उस दिन से ही रक्षा–बंधन मनाया जाने लगा। आज भी कई जगहे इसी कथा को आधार मानकर रक्षाबंधन मनाया जाता है।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 4,20,000/- (चार लाख बीस हजार रुपये)

Non-Contact Tonometer
नॉन-कांटेक्ट टोनोमीटर

आँख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव (IOP) की जाँच मे उपयोगी जिससे काला पानी बीमारी का पता चलता है। (बिना आँख को स्पर्श किये)

कीमत रु. 4,48,000/- (चार लाख अड़तालीस हजार रुपए)

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई-मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

चालीस जवानी का बुढ़ापा है, पचास बुढ़ापे की जवानी है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जुलाई – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : **श्री विमल चन्द जैन पुत्र श्री बाबू लाल जैन – मदनगंज, किशनगढ़ (राज.),**
श्रीमती मंजुला धर्मपत्नी श्री रामेश्वर जाधव – इंदौर (म.प्र.),
श्रीमती मुन्नी देवी जैन धर्मपत्नी श्री शिखर चन्द जैन – दिमापुर, नागालैण्ड

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री ज्ञान चन्द नंदरा जोगा जी – दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली,
श्री जे.के. जैन (जस्ट सॉल्व फाउण्डेशन एंड डेस्नक) – दिल्ली, श्रीमती प्रेम जी निझावन – दिल्ली,
श्री चिरंजी लाल धनुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली, वर्द्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्री महेश ईश्वर छुगानी – अंधेरी (वे.), मुम्बई
श्री दुर्गा प्रसाद धनुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली, श्री उपदेश जैन – श्याम एन्क्लेव, दिल्ली–31

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)
रेडियंट पब्लिक स्कूल, बी–76, आर. के. पुरम, गोविन्दपुरम (निकट प्रीतम फार्म हाऊस) गोविन्दपुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : **कुल 13 शिविर (देशभर में)**

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. Ramchand Soni - Mrs. Kailash Soni
Sangod - Kota (Raj.)

Mr. Om Prakash - Mrs. Krishna Dixit
Jhansi (UP)

Advocate Mr. Jitender Lal - Mrs. Shashi Kashyap
Shimla (HP)

Lt. Mrs. Shanta Gauri Sangani
Lt. Mr. Dheeraj Lal Kali Das Sangani

Mr. Bal Krishna Mudhra - Mrs. Chandrakanta
Mumbai

Mr. Anil - Mrs. Madhu Jain
Ludhiana (PB)

Lt. Mr. Som Datt - Mrs. Usha Dhingra
Delhi

Mr. Rakesh Jain - Mrs. Sadhna Jain
Kanpur (UP)

Mr. Pavan Kumar - Mrs. Sheela Jain
Surat (Guj.)

Mr. Rameshwar - Mrs. Manjula Jadhav
Indore (MP)

Mr. S.K. Jain, Kanpur (UP) | Mr. Pavan Agrawal, Secunderabad (HYD) | Mr. Indarlal Soni, Sikar (Raj.) | Mrs. Chameli Devi, Secunderabad (HYD) | Mr. Tarsem Kumar Garg, Chennai | Mrs. Gyanwati Dheeman, Sonipat (HR) | Lt. Mrs. Radha Devi, Banjara, Pali (Raj.) | Mr. Vivek Sood, Shimla (HP) | Mrs. Sulaxna Jain, Hoshiarpur (PB)

Aarti Sharma, Una (HP) | Mr. Krishna Dev Sharma, Una (HP) | Lt. Mrs. Santosh Sharma, Una (HP) | Mr. M.D. Sharma, Shimla (HP) | Mrs. Nirmala Sharma, Shimla (UP) | Lt. Mr. Harpreet Singh Kalsy, Faridkot (PB) | Lt. Mr. Vaidyanath Ji, Mumbai | Mr. Jagdish Ganeriwala, Kolkata | Mr. Ravi Shankar Bhatta, Nabha - Patiala (PB)

Mr. Basant Lal Gaggal, Rampur (HP) | Dr. Om Prakash Sharma, Shimla (HP) | Mr. Ramnivas Gupta, Kanpur (UP) | Mr. Anand Jain, Kishangarh (Raj.) | Mr. Prem Kumar Vaid, Kishangarh (Raj.) | Mr. Niranjan Kumar Vaid, Kishangarh (Raj.) | Mr. Ram Babu Khandelwal, Jaipur (Raj.) | Mr. Shyam Kishore Prasad, Ranchi (Jharkhand) | Mr. Gulab Chand Vijayvargia, Kota (Raj.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री अजित बंसल
जयपुर (राज.)

श्री दिनेश चन्द जैन
जयपुर (राज.)

श्री विमल चन्द - श्रीमती सावित्री जैन
जयपुर (राज.)

श्री राम बाबू - श्रीमती सुशीला खण्डेलवाल
जयपुर (राज.)

श्री कुलदीप कुमार शर्मा
सेक्टर 10, फरीदाबाद

श्रीमती सुषमा रानी - श्री ए.पी. गिरधर जी
शारदा निकेतन, दिल्ली-34

श्री ए.डी. गुप्ता
मयुर विहार, फेस -1, दिल्ली-91

श्री विजय कुमार वर्मा
जोधपुर (राज.)

जवानी में हम मुसीबतों के पीछे भागते हैं, बुढ़ापे में मुसीबतें हमारे पीछे।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban).... A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645... IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank..... A/c No. 912010025408491 .... IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank..... A/c No. 0169101056462..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India.... A/c No. 3309973967..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank... A/c No. 8743000100004834... IFSC Code : punb0874300
Yes Bank..... A/c No. 065194600000284 .... IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur

236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad - 211022 (U.P.), Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9,
Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अगस्त - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org